तेलहन (खरीफ)

मूँगफली

(क) गुच्छेदार प्रभेद:

1. ए.के. 12-24 : औसत उपज 14 क्विंटल/हेक्टर। तैयार होने की अवधि: 100 से 105 दिन। तेल की मात्रा 49 प्रतिशत।
2. कुबेर : औसत उपज: 15 क्विंटल/हेक्टर। तैयार होने की अवधि: 100 से 104 दिन। तेल की मात्रा : 48 प्रतिशत।
3. फूले प्रगति (जे.एल. 24) : औसत उपज:20 क्विंटल/हेक्टर। तैयार होने की अवधि:90 से 100 दिन। तेल की मात्रा:50 प्रतिशत।

(ख) फैलनेवाला प्रभेद:

1. एम. 13: औसत उपज 27.5 क्विंटल/हेक्टर। तैयार होने की अवधि:130 से 135 दिन। दाना बड़ा व पुष्ट तेल की मात्रा : 49 प्रतिशत। **बीज दर** : 80 से 90 किलोग्राम, प्रति हेक्टर। **बोआई का समय** : 15 जून से 10 जून तक।

बोआई विधि

बीजोपचार: प्रति किलोग्राम बीज को कैप्टाफ या थीरम की 2 ग्राम मात्रा से उपचारित कर बोयें। बोआई की दूरी : 30x15 सेमी.।

अन्तर्वर्ती फसल :

मूँगफली के साथ-साथ अरहर की फसल ली जा सकती है। छ: लाइन मूँगफली के बाद एक लाइन अरहर को लेने से लाभ अधिक मिलता है। या मूँगफली लगाने के बाद 150 से 200 से.मी. की दूरी पर अरहर की बोआई मूँगफली की निकाई के समय करने से, दोनो फसलों में प्रतियोगिता नहीं होती तथा उपज अच्छी मिलती है।

खाद एवं उर्वरक (प्रति हेक्टर) : कम्पोस्ट 60 क्विंटल, बोआई के 20 से 30 दिन पहले एवं बोआई के समय 25 किलोग्राम नेत्रजन, 50 किलोग्राम स्फुर एवं 20 किलोग्राम पोटाश। अर्थात बोआई के समय 108.5 किलोग्राम डी.ए.पी.+12 किलोग्राम यूरिया तथा 34 किलोग्राम एम.ओ.पी प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें। जस्ता की कमी वाले खेत में 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट तथा गंधक की कमी वाले खेत में 20 किलोग्राम गंधक डालें। उर्वरक की पूरी मात्रा बोआई के पहले खेत में डालकर अच्छी तरह मिला दें।

रोग नियंत्रणः मूँगफली : टिक्का रोग : स्वस्थ बीज एवं कवकनाशी दवा का छिड़काव 3 ग्राम ब्लाइटॉक्स-50 प्रतिशत, ब्लू कॉपर 50 प्रतिशत या आधा ग्राम वेविस्टीन या 2.5 ग्राम इंडोफिल एम-45 प्रति लीटर पानी में घोलकर 20 दिनों के अन्तराल पर तीन बार करें। **हरदा :** कवकनाशी दवा सल्फेक्स 3 ग्राम को एक लीटर पानी में घोलकर 15 दिनों के अन्तराल पर तीन छिड़काव करें। मोजैक एवं रोजेटी: प्रति लीटर पानी में 1 मिली लीटर मेटासिस्टॉक्स घोलकर 15 दिनों के अन्तराल पर छिड़काव करें।